Denik Meerut Darpan 9 november 2020_Denik Meerut Darpan 9 november 2020.qxd 11/9/2020 4:20 PM Page 1

दैनिक

मेरठ दर्पण

RNI. NO. UPHIN/2016/69845

वर्षः 05 अंक 113 मेरठ, सोमवार 09 नवंबर, 2020, पृष्ठ 4 मूल्य एक रूपया

यदि आप कोई खबर या फोटो हमें भेजना चाहते है तो ई-मेल या व्हाट्सप ऐप पर भेज सकते है।

mrtdarpan@gmail.com

WWW.MEERUTDARPAN.com YouTube/meerut darpan news Whatsapp:- 9897419837 आईना सच का...

दिवाली पर वोकल फॉर लोकल से मिलेगी कारोबार को नई चेतना

वाराणसी, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने काशी को सोमवार की सुबह करोड़ों की सौगात दी। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चांदपुर औद्योगिक क्षेत्र से उद्यमी विपिन अग्रवाल, संपूर्णानंद स्टेडियम में बास्केट बाल खिलाड़ी प्रशांति सिंह और पक्के महाल में काल भैरव के पास गृहिणी नीलिमा मेहता से बातचीत की। इस दौरान कार्यक्रम का प्रसारण दशाश्वमेघ घाट, शूलटंकेश्वर, टीएफसी, सर्किट हाउस, एयरपोर्ट परिसर और कमिश्नरी में किया गया। ऑनलाइन आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम को संबोधित किया और पीएम के कोरोना संक्रमण

के दौरान किये गए उपायों और विकास को लेकर अपनी बात रखी। मुख्यमंत्री के संबोधन के बाद काशी के विकास पर आधारित एक संक्षिप्त वृत्तचित्र भी ऑनलाइन प्रसारित किया गया। सुबह 10.45 बजे पीएम ने बटन दबाकर ऑनलाइन परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

पीएम ने सबसे पहले सिगरा स्टेडियम में मौजूद बास्केटबॉल खिलाड़ी प्रशांति सिंह से बातचीत की और बधाई के साथ उन्हें उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। वाराणसी में दीप पर्व के आयोजन को लेकर माहौल पर प्रशांति से परिचर्चा की। इस दौरान संपूर्णानंद स्टेडियम में खिलाडियों की सुविधा के लिए बने चेंजिंग रूम और आवासीय भवन पर बातचीत की। पीएम ने इस दौरान प्रशांति से कहा कि खेल जगत में बनारस की युवा पीढी और आगे आए। परिवार सहित दीपावली की परिवार को पीएम ने शुभकामनाएं दीं। काल भैरव गली की निवासी नीलिमा मेहता से उन्होंने बात की और दीवाली के रौनक पर उनसे बातचीत को आगे बढ़ाया तो आवाज डिसकनेक्ट हो गई। संवाद दोबारा कनेक्ट हुआ तो नीलिमा ने पीएम को प्रणाम किया और काल भैरव गली की साफ सफाई को लेकर भी पीएम ने पूछा तो उन्होंने बताया कि गली में बैठकर भोजन भी किया जा सकता है। पीएम ने कहा कि काशी लोग देखने आते हैं तो काशी की गली की रौनक भी होनी चाहिए। काशी की गलियों की साफ सफाई और उजाले के लिए अपनी अपेक्षाएं भी पीएम ने साझा कीं। बनारस के गलियों के शहर होने और यहां के कण कण की पवित्रता पर परिचर्चा कर काशी में पर्यटन की अपेक्षाएं भी जाहिर कीं। इसके बाद पीएम ने चांदपुर औद्योगिक क्षेत्र से उद्यमी विपिन अग्रवाल से बातचीत की। उद्यमी ने बताया कि कोरोना काल के दौरान कारोबार प्रभावित तो हुआ लेकिन प्रयासों में कोई कमी नहीं आई। काशी से निर्मित उत्पादों की खरीदारों और उपभोक्ताओं से संबंध संग कारोबारी गतिविधि भी बेहतर बने रहने की जानकारी देकर कोरोना संक्रमण काल में कारोबारी हालातों को रेखांकित किया। उन्होंने शहर में विकास कार्यों को लेकर अपनी बातें रखते हुए कारोबार को मिलने वाले लाभ को साझा किया।

प्रदूषण के सभी रिकार्ड टूटे, एकयूआई 499 पर पहुंचा

बुलंदशहर, जेएनएन। तमाम प्रयास के बाद भी जिले की हवा में प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है। सोमवार की सुबह प्रदूषण के सभी रिकार्ड टूट गए। एक्यूआइ 499 रिकार्ड किया गया। प्रदूषण इस कदर बढ़ा है कि जिलेभर में दिनभर सफेद रंग धुंध छाई रही। बढ़ते प्रदूषण के चलते बीमार लोगों और बुजुर्गों की समस्या बढ़ गई है। सोमवार की तड़के लोग जागे तो हल्की धुंध चारों तरफ छाई हुई थी। सुबह दस बजे तक धूप खिल गई लेकिन धुंध दोपहर में भी बरकरार रही।

धुंध छाई हर ओर

कई लोगों ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों, पालिका अधिकारियों और अन्य विशेषज्ञों को फोन किया तो पता चला कि प्रदूषण अधिक होने के कारण धुंध छाई है। सोमवार सुबह नौ बजे बुलंदशहर का एक्यूआइ 499 रिकार्ड किया गया। जबकि आगरा का एक्यूआइ 451, दिल्ली का 472, फरीदाबाद का 463, गाजियाबाद का 484, ग्रेटर नोएडा और गुरूग्राम का 482 और हापुड़ का 422 एक्यूआइ रिकार्ड किया गया।

आंखों में हो रही जलन

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक मौसम में ठंडक बढ़ने के कारण हवा में प्रदूषण बढ़ रहा है। प्रदूषण का ये आलम तो तब है जबकि प्रदूषण रोकने के लिए जिम्मेदार विभाग के अधिकारियों ने टीम गठित कर छापामार कार्रवाई भी की। बावजूद इसके ईंट भट्ठे और कुछ उद्योगों की चिमनियां अभी भी काला धुआं उगल रही हैं। नेत्र रोग विशेषज्ञ डा. श्वेता शर्मा का कहना है कि आखों में जलन की समस्या के मरीज बढ़ रहे हैं।

पटाखों की बिक्री व जलाने पर एनजीटी ने लगाई रोक

मेरठ। तेजी से बढ़ते प्रदूषण के मद्देनजर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने सोमवार यानी 9 नवंबर की आधी रात से पूरे एनसीआर में पटाखों जलाने और बिक्री पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया है। यह प्रतिबंध 30 नवंबर की रात तक जारी रहेगी। दिल्ली सरकार पहले ही राजधानी में पटाखों की बिक्री और इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा चुकी है। इस फैसले का असर नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ, गुरुग्राम,फरीदाबाद, बागपत सहित एनसीआर के सभी शहरों पर होगा। एनजीटी के आदेश मेरठ प्रशासन के पास पहुंच चुके हैं। जिसके बाद मेरठ में भी पटाखों की बिक्री पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है। नैशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने एक आदेश में कहा कि जिन शहरों में एम्बिएंट एयर क्वालिटी मॉडरेट है, वहां सिर्फ ग्रीन पटाखे ही बेचे जा सकते हैं। एनजीटी के इस आदेश के साथ ही पश्चिम उप्र के नोएडा, मेरठ और गाजियाबाद के अलावा गुड़गांव, फरीदाबाद में भी पटाखों की बिक्री पर प्रतिबंध लागू हो गया है। हरियाणा सरकार ने दो घंटे पटाखे जलाने की छूट दी थी जिसके बाद से कन्फ्यूजन की स्थिति थी कि यह छूट गुड़गांव में मिलेगी या नहीं।

एनजीटी ने पूरे देश के लिए जारी किए आदेश

देश के जिन राज्यों में एम्बिएंट एयर क्वालिटी 'खराब' की श्रेणी में बनी हुई है, उन राज्यों और शहरों में भी 9 नवंबर की मध्यरात्रि से लेकर 30 नवंबर की मध्यरात्रि तक पटाखों के इस्तेमाल और बिक्री पर प्रतिबंध से जुड़ा एनजीटी का आदेश लागू होगा। शुरुआत में पटाखों पर बैन की मांग राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और इसके आसपास के इलाकों में बढ़ते प्रदूषण और इससे कोरोना महामारी के और गंभीर शक्ल लेने की आशंकाओं के चलते उठाई गई थी। दूसरे राज्यों में भी इसी तरह की मांग उठी तो एनजीटी ने मामले का दायरा बढ़ा दिया और इसमें देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को भी शामिल कर लिया। सिर्फ उन राज्यों को छोड़कर जहां हालात के मद्देनजर पहले ही पटाखे जलाए जाने और उनकी बिक्री पर रोक लगा दी गई है।

मेरठ की आबोहवा दिनों दिन जहरीली होती जा रही है। दीपावली पर ये एक्यूआई 450 से अधिक पहुंचने की उम्मीद जताई जा रही है। लेकिन पटाखों पर प्रतिबंध से वायु प्रदूषण पर काफी हद तक लगाम लग सकेगी।

डीएम ने की मेरठ खंड स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन के संबंध में अधिकारियों के साथ बैठक

मेरठ । उ0प्र0 विधान परिषद मेरठ खंड स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन की प्रशासनिक तैयारियों के संबंध में बचत भवन में आहूत बैठक की अध्यक्षता करते हुये जिलाधिकारी के0 बालाजी ने अधिकारियों से कहा कि वह सभी इलेक्शन मोड में आ जाये व भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देषो का शत-प्रतिषत अनुपालन सुनिष्चित कराते हुये पूरी पारदर्षिता, ईमानदारी व सुचितापूर्ण ढ़ग से निर्वाचन संपन्न कराये।

जिलाधिकारी के0 बालाजी ने बताया कि उ0प्र0 विधान परिषद मेरठ खंड स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन बैलेट पेपर से होगा। उन्होने निर्देषित किया कि मतदान केन्द्रों पर मूलभूत आवष्यक सुविधाएं होना सुनिष्चित करें तथा मतदान केन्द्रों पर बिजली की व्यवस्था, साफ-

सफाई, शौचालय व रैम्प की व्यवस्था सुनिष्चित कराये। उन्होने बताया कि उ0प्र0 विधान परिषद मेरठ खंड स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन के लिए मतदान 01 दिसम्बर 2020 को व मतगणना 03 दिसम्बर 2020 को होगा व नामांकन 12 नवम्बर 2020 तक होंगे।

जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी के0 बालाजी ने बताया कि मतदान बूथ पर एक पीठासीन अधिकारी होगा व तीन अन्य कार्मिक होंगे। उन्होने बताया कि पीठासीन अधिकारी एक राजपत्रित अधिकारी को ही बनाया जायेगा। उन्होने निर्देषित किया कि कार्मिको का प्रषिक्षण, उनकी डय्टी के लिए रेनडोमाईजेषन आदि सभी कार्य समय से पूर्ण कराये।

अपर जिलाधिकारी प्रषासन/उप जिला निर्वाचन अधिकारी मदन सिंह गर्ब्याल ने बताया कि उ0प्र0 विधान परिषद मेरठ खंड स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन के लिए जनपद मेरठ में स्नातक के लिए 31 मतदान केन्द्र व 77 बूथ होंगे तथा षिक्षक के लिए 30 मतदान केन्द्र व 30 बूथ होंगे। उन्होने बताया कि मेरठ खंड स्नातक एवं षिक्षक निर्वाचन के लिए कुल 107 मतदेय स्थल (बूथ) होंगे।

अपर जिलाधिकारी प्रषासन/उप जिला निर्वाचन अधिकारी मदन सिंह गर्ब्याल ने बताया कि नाम निर्देषनों की जांच 13 नवम्बर 2020 को की जायेगी व नाम वापसी हेतु अंतिम दिनांक 17 नवम्बर 2020 है। उन्होने बताया कि मतदान का समय पूर्वान्ह 08.00 बजे से सांय 05.00 बजे तक होगा। उन्होने बताया कि उक्त निर्वाचन के लिए दिनांक 28 जनवरी 2020 को अंतिम प्रकाषन पर मेरठ व सहारनपुर मंडल में स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के लिए 297016 मतदाता व षिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के लिए 30012 मतदाता है।

इस अवसर पर सीडीओ ईशा दुहन, एसपी क्राईम राम अर्ज, सहायक नगर आयुक्त ब्रजपाल सिंह, सीटीओ मनोज कुमार सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

Denik Meerut Darpan 9 november 2020_Denik Meerut Darpan 9 november 2020.qxd 11/9/2020 4:20 PM Page 2

जिला बार एसोसिएशन मेरठ के कनिष्ठ कार्यकारिणी सदस्यों की मतगणना शुरू

मेरठ, एजेंसी। जिला बार एसोसिएशन मेरठ के कनिष्ठ कार्यकारिणी सदस्यों के मतों की गिनती सोमवार को सुबह शुरू हो गई है। दोपहर तक सभी परिणाम आने की संभावना है। जिला बार एसोसिएशन के चुनाव में गत शनिवार को अध्यक्ष व महामंत्री समेत 8 पदों के लिए हुए चुनाव की मतगणना हुई थी। जिसमें वीके शर्मा पैनल के वीके शर्मा ने अध्यक्ष व मुकेश कुमार त्यागी ने महामंत्री समेत सात पदों पर जीत दर्ज की थी। जबकि विजय शर्मा पैनल के एक प्रत्याशी ही जीत दर्ज कर सके थे।कनिष्ठ

कार्यकारिणी सदस्यों के लिए मतगणना का दिन सोमवार को निर्धारित किया गया था।

महात्मा गांधी सभागार में शुरू हुई मतगणना

जिला बार एसोसिएशन की कनिष्ठ कार्यकारिणी सदस्यों के मतों की गिनती सोमवार को सुबह 11 बजे से महात्मा गांधी सभागार में शुरू हुई। यह मतगणना चुनाव अधिकारी उदयवीर सिंह तोमर की देखरेख में की जा रही है। कनिष्ठ कार्यकारिणी सदस्यों के लिए 10 प्रत्याशी मैदान में हैं, जिसमें से छह का चुनाव होना है। जबकि वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य पहले ही निर्विरोध निर्वाचित हो चुके हैं।

शपथ ग्रहण की तिथि भी तय होगी

शपथ ग्रहण की तिथि भी आज तय होगी। कनिष्ठ कार्यकारिणी सदस्यों की मतगणना के बाद जिला बार एसोसिएशन के चुनाव प्रक्रिया सोमवार को पूरी हो जाएगी। आज ही मतगणना के बाद शपथ ग्रहण समारोह की तिथि तय की जाएगी। इसके लिए बैठक बुलाई गई है। नवनिर्वाचित अध्यक्ष वीके शर्मा ने बताया कि मतगणना शुरू हो चुकी है। साथ ही दोपहर तक सभी परिणाम भी आने की संभावना है।

नगर आयुक्त मनीष बंसल का किया स्वागत

मेरठ दर्पण, मेरठ। अखिल भारतीय सर्व वैश्य एकता महासभा(पंजी0) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नवनीत गुप्ता ने पदाधिकारी ल साथ मेरठ नगर निगम के नगर आयुक्त मनीष बंसल (आईएएस) को अंगवस्त्र ,चित्र व वैश्य भारती पत्रिका भेट कर सम्मान व शुभकामनाऐ दी साथ मे पार्षद पूनम गुप्ता , सतेन्द्र गुप्ता , ललित जिन्दल , नितीश गोयल , पार्षद रेनू सैनी, मनोज सैनी, आदि कार्यकर्त्ता रहे।

मेरठ कालेज के चुनाव को लेकर आज होगा फैसला

मेरठ, एजेंसी। मेरठ कालेज प्रबंध तंत्र यानी मेरठ कालिजिएट एसोसिएशन के चुनाव को लेकर सोमवार आज हाई कोर्ट प्रयागराज में सुनवाई है। इसमें प्रबंध तंत्र के चुनाव होंगे या नहीं इस पर निर्णय लिया जाएगा। मेरठ कालेज प्रबंध तंत्र मेरठ कालेज 1893 का स्थापित हुआ है। ऐतिहासिक कालेज होने के साथ सबसे बड़े कालेज के प्रबंध तंत्र के चुनाव को लेकर हर तीन साल में सरगर्मी होती है। इस चुनाव में शहर के कई बड़े उद्यमी सदस्य हैं। इसकी वजह से मेरठ कालेज का चुनाव काफी प्रतिष्ठित माना जाता है। चुनाव में गहमागहमी भी रहती है।

तीन साल का कार्यकाल

अगस्त 2020 में इसके तीन साल का कार्यकाल पूरा हो चुका है, लेकिन कोविड की वजह से चुनाव नहीं हो पाया। वर्तमान अध्यक्ष डा. राम कुमार गुप्ता की ओर से प्रशासन से चुनाव कराने की अनुमति मांगी गई थी। उनका कहना है कि उन्हें अनुमति नहीं मिली। जिसे लेकर उन्होंने कोर्ट को अवगत कराया था। उधर,

दूसरे पक्ष का आरोप है कि मौजूदा प्रबंध तंत्र चुनाव कराना नहीं चाहता है इसलिए जानबूझकर जिला प्रशासन पर आरोप लगाया गया है। जबकि जिला प्रशासन की ओर से हाईकोर्ट में यह कह दिया गया है कि उन्होंने चुनाव कराने से मना नहीं किया है। इन सारे पक्षों को देखते हुए सोमवार को यानी नौ नवंबर को हाई कोर्ट में सुनवाई होनी है। सुनवाई में तय किया जाएगा चुनाव कराना है या नहीं।

एमएलसी चुनाव शिक्षक-स्नातक के लिये भरे गये नामांकन

मेरठ। मेरठ खंड शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से एमएलसी चुनाव के लिए सोमवार को नामांकन का खाता खुल गया। मेरठ शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से एमएलसी के लिए सहारनपुर के रजनीश चैहान ने पहला नामांकन दाखिल किया।

वहीं सपा प्रत्याशी शमशाद अली स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से नामांकन पहुंचे उनके साथ पूर्व मंत्री शाहिद मंजूर, जिलाध्यक्ष राजपाल सिंह आदि भी थे। इसी प्रकार से निवर्तमान एमएलसी ओमप्रकाश शर्मा और हेम सिंह पुंडीर भी आज नामांकन दाखिल कमिश्नरी कार्यालय पहुंचे।

नगर आयुक्त से मिले साप्ताहिक बाजार लगाने वाले व्यापारी

मेरठ दर्पण, मेरठ। नगर आयुक्त से मिले साप्ताहिक बाजार लगाने वाले व्यापारी। लॉक डाउन के बाद से साप्ताहिक बाजार लगाने पर लगी रोक हटाने और बाजार लगाने की मांग करते हुये आज मेरठ व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष जीतू नागपाल,शेंकी वर्मा के साथ दर्जनों पैठ व्यापारी नगर निगम पहुचे ओर नगर आयुक्त को ज्ञापन दे साप्ताहिक बाजार लगाने की अनुमति देने की मांग की।

प्रदेश में जिला पंचायत का चुनाव लड़ेगी आम आदमी पार्टी

बागपत, एजेंसी। आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी एवं राज्य सभा सदस?य संजय सिंह ने दिल्ली से शामली जाते सोमवार को बागपत में पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एडवोकेट सोमेंद्र ढ़ाका के चेंबर पर पत्रकार वार्ता की। उन्होंने कहा कि दिल्ली के बाद बिहार विधान सभा चुनाव के एग्जिटपोल के नतीजे से साफ हो गया है कि जाति-धर्म की राजनीति खत्म हो चुकी है, अब मुद्दों की राजनीति वापस लौट रही है। आज शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, रोजगार, बिजली, पानी, सड़कों की जरूरत है। भाजपा व बसपा एक ही है। हाथी के सुंड में कमल का फूल जा चुका है। उन्होंने कहा कि आगामी जिला पंचायत चुनाव पार्टी सभी सीटों पर लड़ेगी। विधान सभा का चुनाव कैसे लड़ा जाएगा, इसका जल्द ही शीर्ष

नेतृत्व निर्णय लेगा। किसी पार्टी से गठबंधन का अभी कोई विचार नहीं है। देश की सबसे महंगी बिजली उत्तर प्रदेश में है। दिल्ली में 200 यूनिट बिजली फ्री तथा 400 यूनिट का आधा दाम उपभोक्ताओं से लिया जाता है। यूपी में स्मार्ट मीटर का घोटाला सबके सामने है। यहां पर बिजली मीटर 30 प्रतिशत आगे भागते है। बकायों के नाम पर उपभोक्ताओं के विद्युत कनेक्शन काटे जाते है। उनकी मांग है कि कनेक्शन काटने के बजाए उपभोक्ताओं का 30 प्रतिशत बिल का भुगतान ब्याज सहित वापस किए जाए। पराली जलाने के नाम पर मुकदमें दर्ज कर लोगों को जेल भेजा जा रहा है। जबकि प्रदूषण पराली से बहुत कम होता है। फैक्ट्रियों से प्रदूषण फैलता है, लेकिन अभी एक भी फैक्ट्री मालिक के खिलाफ मुकदमा दर्ज नहीं किया गया। उन्होंने नसीहत देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की सरकार से सीख लेनी चाहिए। जहां पर डी-कम्पोजर के माध्यम से पराली का खाद बनाया जा रहा है। बच्चियों के साथ दुष्कर्म की घटनाएं हो रही है। उन्होंने हाथरस, बलरामपुर, लखीमपुर खीरी आदि की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि बच्चियों के साथ उत्तर प्रदेश कब्रगाह बन गया है।

रोटरी क्लब मेरठ स्टार्स ने दीपावली मनाई

मेरठ। आज रोटरी क्लब मेरठ स्टार्स ने दीपावली कुछ ऐसे अंदाज में मनाई जिससे समाज मे एक नई पहल हो और सबके लिए एक मिसाल हो। सभी जानते है कि रोटरी एक ऐसी संस्था है जो समाज मे हर वो काम करती है जो समाज के लिये बेहद जरूरी है। दीपावली ना केवल अपने अपने घरों में प्रकाश करने और खुशियां बिखरने का पर्व है बल्कि दीवाली का असली मज़ा तो किसी ऐसे घर मे प्रकाश करना और खुशियां बॉटने से है जिसको इसकी वास्तव में बहुत जरूरत है। और शायद जीवन इसी का नाम है।

मालिक, मुद्रक प्रकाशक अंकित गुप्ता ने न्यू गोस्वामी प्रिन्टिग प्रेस, 44, हनुमानपुरी सूरज कुण्ड रोड, मेरठ से छपवाकर कार्यालय 12 मैथनिया मौहल्ला, कंकरखेडा, मेरठ कैंट (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।
सम्पादकः- अंकित गुप्ता
मो. 9897419837
RNI. NO. UPHIN/2016/69845
mrtdarpan@gmail.com
मेरठ दर्पण में प्रकाशित समस्त रचनाओं एवं विज्ञापनदाताओं के अपने विचार है इसके लिए मेरठ दर्पण की किसी भी तरह की जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र मेरठ ही होगा।

इस दीवाली को और खुशनुमा बनाने के लिए रोटरी क्लब मेरठ स्टार्स एवम वसुंधरा फाउंडेशन के तत्वाधान में एक कदम पर्यावरण और दुसरो की खुशियों के लिए बढ़ाया।

पर्यावरण को सुरक्षित रखना कितना महत्वपूर्ण हैए इसके लिए पर्यावरण आधारित सामुदायिक सेवा साकेत डाइनिंग इन होटल के समीप अनेको वृक्षो के लिए सुरक्षा जाल लगाए जिससे की वृक्षो की रक्षा की जा सके ए क्योंकि वृक्ष है तो जीवन है।

उसके पश्चात अपना घर आश्रम गढ़ रोड़ पर जाकर कुछ खान पान सामग्री एवम गर्म कपड़े ऐसे लोगो के साथ बाटी जिसको इन खुशियो की बहुत जरूरत है। क्योंकि बिना खुशियां बाटे कोई भी त्यौहार फीका है।

कोविड 19 को ध्यान में रखते हुए क्लब के सभी सद्स्यों ने सरकारी दिशानिर्देशो का पूर्ण रूप से पालन किया । क्लब अध्यक्ष प्रणव गुप्ता ने सभी

सदस्यों का आभार व्यक्त किया। सचिव अम्बर दीक्षित ने सभी उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया एवम धन्यवाद दिया।

कार्यक्रम में पूर्व मंडलाध्यक्ष हरी गुप्ता एपूर्व अध्यक्ष योगेश अग्रवालए संजय अग्रवालए आशीष धस्मानाए विशाल अग्रवालए पंकज मित्तलए डॉ विवेक रस्तौगीए शशांक जैनए अमित गर्गए नेम सिंह आदि उपस्थित रहे। वसुंधरा फाउंडेशन की तरफसे अध्य्क्ष डॉ अनिता पुंडीर एवम इंदु जी उपस्थित रहे।

Denik Meerut Darpan 9 november 2020_Denik Meerut Darpan 9 november 2020.qxd 11/9/2020 4:20 PM Page 3

सम्पादकीय

अमेरिकी चुनाव में सामाजिक ध्रुवीकरण

जब भी विशेषज्ञ किसी चुनाव का विश्लेषण करते हैं, तो वे कुछ मुद्दों को महत्वपूर्ण मानकर चलते हैं कि ये परिणाम को प्रभावित कर सकते हैं। ऐसा माना जा रहा था कि कोरोना महामारी, जिससे अमेरिका सबसे अधिक संक्रमित है और मतदान के दिन ही संक्रमण के एक लाख से अधिक नये मामले सामने आये थे, चुनाव का सबसे अहम मुद्दा होगी। डेमोक्रेटिक पार्टी को बड़ी जीत मिलेगी क्योंकि इस महामारी को लेकर राष्ट्रपति ट्रंप के रवैये की बड़ी आलोचना होती रही है। लेकिन मतगणना के दौरान स्पष्ट दिख रहा है कि एक-एक वोट के लिए लड़ाई के बाद ही कोई परिणाम निकल सकेगा. अंततः बात उन पांच-छह राज्यों में आकर फंस गयी है, जिन्हें स्विंग या बैटलग्राउंड स्टेट कहा जाता है. इन राज्यों के साथ ऐतिहासिक रूप से ऐसा रहा है कि इनका पलड़ा किसी की ओर भी झुक सकता है। अब तक की गिनती और रुझानों के आधार पर कहा जा सकता है कि अर्थव्यवस्था के मुद्दे ने चुनाव में प्रभावी भूमिका निभायी है। यदि आप अमेरिका के चुनावी नक्शे को देखें, तो मध्य-पश्चिमी क्षेत्र के राज्य पारंपरिक रूप से रिपब्लिकन पार्टी के समर्थक रहे हैं। इन राज्यों की आबादी मुख्य रूप से श्वेत लोगों की है और वे वैचारिक रूप से बहुत रूढ़िवादी हैं. वे आप्रवासन नीतियों और स्वास्थ्य सुधार कार्यक्रमों के आम तौर पर विरोधी हैं. इनके बरक्स अगर आप देश के पूर्व और पश्चिम में तटीय राज्यों को देखें, तो वे ऐतिहासिक रूप से डेमोक्रेट समर्थक हैं। इन्हें उदारवादी माना जाता है और ये आम तौर पर सुधार व बदलाव के पक्षधर होते हैं. इस कारण इन राज्यों में और इनके भीतर बसे शहरों, जैसे कैलिफोर्निया, सिलिकन वैली, न्यूयॉर्क आदि में बहुत विविधता और खुलापन भी है। चुनाव से पहले के आकलन वास्तविक परिणामों से मेल नहीं खा रहे हैं। इसकी वजह यह हो सकती है कि या तो उनके सैंपल छोटे हों, उनके सर्वेक्षण का दायरा कम रहा हो, या फिर उन्होंने यह ठीक से नहीं देखा कि ट्रंप के लिए व्यापक समर्थन अभी भी बरकरार है. अब तक के नतीजों में डेमोक्रेट उम्मीदवार और पूर्व उपराष्ट्रपति जो बाइडेन को 50 प्रतिशत से थोड़ा ही अधिक समर्थन मिल रहा है तथा राष्ट्रपति ट्रंप लगभग 48 प्रतिशत के साथ बहुत नजदीक हैं. इससे यह भी इंगित होता है कि अमेरिका में किस हद तक ध्रुवीकरण हो चुका है। इसका एक अन्य पहलू यह है कि ट्रंप की नीतियों की आलोचना को डेमोक्रेटिक पार्टी ने जोर-शोर से लोगों को सामने रखा और इस कारण बड़ी संख्या में लोगों ने मतदान में हिस्सा लिया. अमेरिका में पोस्टल बैलट की भी व्यवस्था है, जिसके तहत मतदाता मतदान के दिन से पहले ही अपना वोट डाक से भेज सकते हैं. इस बार बहुत बड़ी संख्या में ऐसे वोट आये हैं, जिनकी गिनती करने में देरी होने से नतीजे आने में भी देर हो रही है। ऐसा माना जाता है और सर्वेक्षणों से भी यह बात सामने आयी है कि डाक से वोट देनेवाले अधिकतर मतदाता डेमोक्रेट समर्थक हैं। इस तथ्य से परिचित होने के कारण ही ट्रंप अभियान की ओर से ऐसे वोटों पर सवाल उठाया जा रहा है और अदालत जाने की बातें हो रही हैं, जबकि यह पद्धति कानूनी रूप से कतई गलत नहीं है. बहरहाल, अब तो हर वोट को गिना जाना है और पूरे नतीजे आने में देरी होगी। फिलहाल, ऐसे रुझान हैं कि अंततः बाइडेन निर्वाचित हो जायेंगे, लेकिन यह कहा जा सकता है कि राष्ट्रपति के रूप में ट्रंप की नीतियां जो भी रही हों और उनके अच्छे या खराब जो भी नतीजे रहे हों, उनको मिलता बड़ा समर्थन यही जताता है कि अमेरिकी समाज में बढ़ते ध्रुवीकरण का उन्हें बहुत लाभ मिला है और जैसा आकलनों में बताया जा रहा था कि पूरे अमेरिका में डेमोक्रेटिक पार्टी की लहर चलेगी, वैसा कुछ भी नहीं हुआ है। यह भी कहा जा सकता है कि डेमोक्रेट खेमे का प्रचार अभियान अपनी भावी नीतियों को ठीक से पहुंचाने में कमजोर साबित हुआ है। इस चुनाव का एक महत्वपूर्ण आयाम रहा है डर की राजनीति। ट्रंप कह रहे थे कि अगर डेमोक्रेट सत्ता में आ जायेंगे, तो विभिन्न करों में बढ़ोतरी हो जायेगी। नस्ल और रोजगार को लेकर भी बहुत सारी बातें हुईं. डर के माहौल को बढ़ावा देने में सबसे आगे ट्रंप ही रहे हैं। इससे उन्हें धनी प्रवासियों, अश्वेतों और लातिनी मूल के कुछ लोगों का वोट मिलना संभव हुआ है। यह भी उल्लेखनीय है कि ट्रंप को अपनी पार्टी की ओर से कोई चुनौती या विरोध का सामना नहीं करना पड़ा था तथा उनकी उम्मीदवारी पर बहुत पहले ही मुहर लग चुकी थी।

कार्टून नहीं कट्टरपंथी सोच व हिंसा इस्लाम के लिए घातक

गत 16 अक्तूबर को फ़्रांस में पेरिस से 35 किलोमीटर दूर कोंफ्लां-सोंत-ओनोरैं नामक एक शहर में सैमुअल पाती नामक इतिहास-भूगोल के एक स्कूली शिक्षक पर घात लगा कर चाकू से हमला कर मार डाला गया और उनका सिर धड़ से अलग कर दिया गया। आरोप है कि शिक्षक सैमुअल पाती ने आठवीं कक्षा के अपने छात्रों को समाजशास्त्र पढ़ाते समय फ़्रांस में विचारों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का महत्व समझाते हुए पैग़ंबर हज़रत मोहम्मद के उन कार्टूनों का उदाहरण दिया था जो 2015 में फ़्रांस की कार्टून पत्रिका %चार्ली एब्दो% में प्रकाशित हुए थे। इन्हीं व्यंग्य चित्रों के प्रकाशन के कारण जनवरी 2015 में %चार्ली एब्दो% पत्रिका के कार्यालय पर हुए हिंसक हमले के दौरान अनेक पत्रकारों व चित्रकारों सहित 17 लोगों की हत्या कर दी गयी थी। गत 16 अक्तूबर को जब शिक्षक सैमुअल पाती ने उन्हीं कार्टून्स का उदाहरण दिया और उससे जोड़कर फ़्रांस में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर रौशनी डाली। इसके बाद उसी कक्षा की एक मुस्लिम छात्रा के पिता ने सोशल मीडिया में शिक्षक सैमुअल पाती के विरुद्ध निंदा-अभियान छेड़ दिया। इस निंदा अभियान से प्रभावित होकर एक 18 वर्षीय मुस्लिम युवक ने सैमुअल पर उनके घर जाते समय चाकू से हमला किया तथा उनका गला रेत कर सिर धड़ से अलग कर दिया। इस हिंसक कुकृत्य की जितनी भी निंदा की जाए वह कम है। यह कार्रवाई किसी भी रूप में न इंसानी है न इस्लामी। बजाए इसके यह हिंसक कृत्य पूरी तरह से ग़ैर इस्लामी व ग़ैर इंसानी यानी अमानवीय कृत्य है।

इसके पहले भी फ़्रांस में ही जब 2015 में इन्हीं कार्टून्स को प्रकाशित किया गया था तब भी फ़्रांस सहित अनेक मुस्लिम बाहुल्य देशों में प्रदर्शन हुए थे जो कई कई देशों में हिंसक भी हो गए थे। इस बार भी कमोबेश वही सूरतेहाल देखी जा रही है। बांग्लादेश व पाकिस्तान में फ़्रांस विरोधी प्रदर्शन के नाम पर हिंसक भीड़ ने उन धर्मस्थलों व उस समुदाय के लोगों को अकारण ही निशाना बनाया व उन्हें क्षति पहुंचाई जिनका फ़्रांस के कार्टून प्रकाशन प्रकरण से कोई वास्ता ही नहीं है।अनेक मुस्लिम देशों ने फ़्रांस निर्मित सामानों का बहिष्कार करने का भी निर्णय किया। इस विषय पर बहस करने हेतु दो मुख्य बिंदु हैं। सबसे पहला फ़्रांस के क़ानून के मुताबिक़ वहां विचारों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को मिलने वाली खुली छूट। फ़्रांस सरकार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की पूरी पक्षधर है तथा इसका बचाव करती है। वहां के लोगों को भी इससे कोई फ़र्क़ नहीं पड़ता। वहां यदि कोई कार्टूनिस्ट ईसाई समुदाय के आराध्य महापुरुषों पर भी कोई कार्टून या व्यंग्य चित्र बनाता है तो किसी को ऐसी आपत्ति नहीं होती की बात हत्या,प्रदर्शन या गला रेतने तक आ जाए। इस संबंध में एक बात और भी क़ाबिल-ए-ग़ौर है कि स्वयं इस्लाम धर्म में भी मुसलमानों को यह निर्देश दिया गया है कि वे जिस देश में भी रहें उस देश के क़ानून का पालन करना अनिवार्य है। पूरे इस्लामिक इतिहास में किसी भी पैग़ंबर,इमाम,ख़लीफ़ा आदि से जुड़ी कोई एक घटना भी ऐसी नहीं मिलेगी जबकि इस तरह की बातों को लेकर किसी की गर्दन रेत दी गयी हो। दुर्भाग्यवश अलक़ाएदा, आईएसआईएस व तालिबान तथा इनसे जुड़े व इनका अनुसरण करने वाले अनेक हिंसक व आतंकी संगठन इस्लाम के नाम का ही इस्तेमाल कर अक्सर कोई न कोई ऐसी दिल दहलाने वाली घटना अंजाम देते रहते हैं जिससे इस्लाम बदनाम होता है। इन्हीं हिंसक वारदातों ने उन अनेकानेक पूर्वाग्रही ग़ैर मुस्लिम लोगों को तथा ऐसे शासकों को हमेशा इस्लाम को जेहादी,हिंसक तथा असहिष्णु बताने का पूरा मौक़ा दिया है। यदि इस्लाम इतना ही असहिष्णु धर्म होता तो हज़रत मुहम्मद उस यहूदी बूढ़ी औरत की बीमारी का हाल चाल जानने के लिए उसकी कुटिया में न जाते जो रोज़ उन्हीं पर कूड़ा करकट फेंका करती थी। इस्लाम में बदला लेने से कहीं ज़्यादा महत्व मुआफ़ी को दिया गया है। परन्तु निश्चित रूप से यह इस्लाम का बहुत बड़ा दुर्भाग्य है कि हज़रत मुहम्मद के समय से ही इस्लाम में रूढ़िवादी,कट्टरपंथी,साम्राज्यवादी,इस्लाम को सत्ता से जोड़ने वाली तथा अंधविश्वासी सोच पनपने लगी थी। पैग़ंबर हज़रत मुहम्मद के स्वर्गवास के फ़ौरन बाद ही ऐसी ताक़तों ने सिर उठाना शुरू कर दिया। जिसके नतीजे में कभी हज़रत मुहम्मद के दामाद हज़रत अली को मस्जिद में शहीद किया गया,कभी उनकी बेटी फ़ातिमा पर जुल्म ढाए गए। कभी पैग़ंबर-ए-रसूल के नवासे हज़रात इमाम हुसैन व उनके परिवार को कर्बला में शहीद किया गया। ऐसा जुल्म ढाने वाले सभी लोग न ईसाई थे न यहूदी न ही हिन्दू बल्कि यह सभी स्वयं को मुसलमान कहने वाले अल्लाहो अकबर का नारा बुलंद करने वाले और हज़रत मुहम्मद की उम्मत बताने वाले मुस्लमान ही तो थे ? उपरोक्त घटनाएं क्या ईश निंदा की श्रेणी से कम या हल्की हैं ? जब मुसलमान शासक व तत्कालीन मुसलमान सत्ताधारी ही पैग़ंबर हज़रत मुहम्मद के परिवार पर अत्याचार कर रहे थे उस समय यदि मुहम्मद के घराने वालों के पक्ष में मुस्लिम समाज इसी तरह सड़कों पर उतरा होता तो यज़ीद जैसे शासकों के पसीने छूट जाते। परन्तु तब वही मुसलमान तमाशाई बने हुए थे जो आज हज़रत मुहम्मद से इतनी मुहब्बत जता रहे हैं जिसके लिए न तो खुद रसूल ने कहा,न उम्मीद रखी न ही इस्लामी थ्योरी व फ़लसफ़ा अथवा इस्लामी दिशा निर्देश इस बात की इजाज़त देते हैं। बेशक इस बात पर तो बहस की जा सकती है और करनी भी चाहिए कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की सीमाएं निर्धारित हों। इस बात पर भी सवाल हो सकता है कि धर्म,धार्मिक मान्यताओं या धार्मिक महापुरुषों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के दायरे में रखा जाए या इसे उस परिधि से बहार रखा जाए ? इसपर भी बहस हो सकती है कि लोगों की धार्मिक भावनाओं के आहत होने का पैमाना क्या हो और क्या न हो। बहस इसपर होनी चाहिए कि क्या भावनाएं आहत होने पर हिंसक हो जाना यहाँ तक कि इतना हिंसक हो जाना की पूरा देश व दुनिया आपके बर्ताव को देखते हुए आपके धर्म व धार्मिक शिक्षाओं पर ही सवाल उठाने लगे ? परन्तु उत्तेजना में आकर गला रेत डालना,शांतिप्रिय भीड़ को तेज़ रफ़्तार ट्रक से रौंद डालना,सामूहिक हत्याओं को अंजाम देना व इनके भयानक वीडीओ शेयर करना,दूसरे धर्मों के धर्मस्थलों पर हमले करना या उनके आराध्य देवी देवताओं या मूर्तियों को तोड़ना,असिहष्णुता का प्रदर्शन करना व ऐसी सोच को बढ़ावा देना आदि किसी भी क़ीमत पर न तो मान्य है न समाज इसको स्वीकार कर सकता है।

Manmohan - 8430237507
आकाश ग्राफिक
AKASH DEEP 8430256200 9358499831
लेटर ही लेटर
फैन्सी न्यू डिजाईनों में
लेजर कटिंग, एकरेलिक लेटर
नम्बर प्लेट, घर की नेम प्लेट, बिलबुक
पम्पलेट, विजिटिंग कार्ड, लेटर हैड
फ्लैक्स प्रिन्टिंग
शादी कार्ड
की एक से बढकर एक वैरायटी थोक व फुटकर रेट पर मिलते है
Email : manmohan.parnav@gmail.com
Email : akashkkgraphic@gmail.com
शिव चौक, शिवलोक, कंकरखेड़ा, मेरठ
सरधना रोड़, कंकरखेड़ा, सिटी सुपर मार्केट, मेरठ

SINCE - 1990
MOB: 7417448474, 9719031727
दुर्गा स्वीट्स एण्ड कैटर्स
हमारे यहाँ शादी पार्टी व अन्य शुभ अवसरो पर ऑर्डर बुक किये जाते है
सुबह का नाश्ता
स्नैक्स चाट नमकीन मिठाईयाँ
राजेश खन्ना
पार्षद नगर निगम मेरठ
कैनरा बैंक के सामने, सरधना रोड, कंकर खेड़ा, मेरठ

Denik Meerut Darpan 9 november 2020_Denik Meerut Darpan 9 november 2020.qxd 11/9/2020 4:20 PM Page 4

पेरेंट्स एसोसिएशन ने डीएम के माध्यम से प्रधानमंत्री को दिया ज्ञापन

गजियाबाद। पेरेंट्स एसोसिएशन ने लॉक डाउन समय की एक तिमाही फीस माफी और ऑन लाइन क्लास के अनुसार फीस निर्धारण का आदेश पारित करने के लिए जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री के नाम दिया ज्ञापन।

प्रधानमंत्री जी से देश के अभिभावक होने के नाते फीस मुद्दे पर निर्णय लेने की लगाई गुहार प्रदेश सरकार की लगातार अनदेखी पर माथे पर काली पट्टी बांध अभिभावको ने जताई संवेदना।

गजियाबाद पेरेंट्स एसोसिएशन ने लॉक डाउन समय की एक तिमाही फीस माफी और जुलाई से ऑन लाइन क्लास के अनुसार फीस निर्धारण के लिए जिलाधिकारी को माननीय प्रधानमंत्री जी के नाम ज्ञापन दिया और ज्ञापन के माध्यम से अभिभावको की पीड़ा को अवगत कराते हुये कहा कि जैसा कि आप भलीभाँति परिचित है कि कोरोना वैश्विक महामारी के कारण देश सहित उतर प्रदेश के निजी स्कूल पिछले सात महीने से पूर्णतया बंद है देश की जनता के जीवन एवं स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुये आपके द्वारा देश मे तीन महीने के लिए सम्पूर्ण लॉक डाउन लगाया गया जिसके कारण सभी के काम धंधे ,रोजगार बुरी तरीके से प्रभावित हुये लाखो लोगों को

अपनी नोकरी तक से भी हाथ धोना पड़ा लगभग सात महीने बाद भी काम , रोजगार पूरी तरीके से पटरी पर लौट नही पाये है जिससे देश का सबसे बड़ा अभिभावक वर्ग भी अछूता नही रहा है देश के अभिभावक को गम्भीर आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है सात महीने से बंद निजी स्कूलों द्वारा अभिभावको से पूरी फीस मांगी जा रही है जबकि इन सात महीनो में छात्रों / छात्राओ द्वारा स्कूल से कोई भी सुविधा नही ली गई है जैसे क्लास रूम स्टडी , लेब , पुस्तकालय , ग्राउंड , बिजली , पानी , ट्रांसपोर्ट आदि अब आप ही निर्णय कर बताये की अभिभावक किस आधार पर सात महीने से बंद निजी स्कूलों की पूरी फीस दे जबकि वर्षो से चल रहे निजी स्कूलों के पास करोडो रुपये में सरप्लस फण्ड मौजूद है जिसका प्रयोग करके निजी स्कूलों द्वारा टीचर्स को सैलेरी दी जा सकती है साथ ही संकट के इस समय मे देश सेवा करते हुये अभिभावको को राहत दी जा सकती है विपरीत इसके निजी स्कूलों द्वारा अभिभावको एवम छात्र / छात्राओ का शोषण किया जा रहा है फीस का दबाब बनाने के लिए बच्चों की ऑन लाइन क्लास रोकी जा रही है बच्चों को अगली क्लास में प्रमोट ना करने तथा सीबीएसई रजिस्ट्रेशन रोक कर बच्चों के भविष्य को बर्बाद करने की धमकी दी जा रही है जो किसी भी दशा में न्योचित प्रतीत नही होता है निजी स्कूलों द्वारा फीस का दबाब बनाने के लिए आधी अधूरी तैयारी के साथ ऑन लाइन शिक्षा दी गई है ऑन लाइन क्लास को लेने के लिए अभिभावको द्वारा स्वयं का खर्चा किया गया जैसे नेंट / टेब / लेपटॉप / बिजली की सुविधा जबकि प्रदेश के 56 ल बच्चों के पास ऑन लाइन क्लास लेने के लिए संशाधन मौजूद नही है जिसके कारण शिक्षा में समानता के अधिकार का हनन हो रहा है आखिर किस आधार पर ऑन लाइन क्लास की पूरी फीस अभिभावको द्वारा दी जानी सम्भव है इस गम्भीर विषय पर केंद्र सरकार एवम राज्य सरकार को अनेको पत्र, ज्ञापन , वीडियो , और लाखो ट्वीट किए जा चुके है साथ ही 9 दिन की भूख हड़ताल सहित देश भर के अभिभावको द्वारा अनेको माध्यम द्वारा संदेश दिए जा चुके है जिसके माध्यम से सरकार तक अभिभावको की पीड़ा पहुँच सकें पर दुर्भाग्य से आज लगभग सात महीने बीत जाने के बाद भी केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार इस गम्भीर विषय पर चुप्पी साधे है जिसके कारण लाखो छात्र / छात्राओ का भविष्य शिक्षा से वंचित होने के कगार पर खड़ा है और अभिभावको एवम स्कूल प्रशासन के बीच टकराव की स्थिति बनती नजर आ रही है जो बच्चों के उज्ज्वल भविष्य को देखते हुये किसी भी दशा में स्कूल प्रशासन और अभिभावको के हित मे नही है

गजियाबाद पेरेंट्स एसोसिएशन और प्रदेश के समस्त अभिभावको ने माननीय प्रधानमंत्री जी से निवेदन किया है कि इस अत्यंत गम्भीर विषय पर निर्णय लेते हुये राज्य सरकार को लॉक डाउन समय की एक तिमाही (अप्रेल , मई , जून) की फीस माफी और जुलाई से ऑन लाइन क्लास के अनुसार फीस निर्धारण का आदेश पारित करे जिससे कि प्रदेश के आर्थिक संकट से जूझ रहे लाखो अभिभावको के बच्चों को शिक्षा से वंचित ना होना पड़े । जीपीए और प्रदेश के समस्त अभिभावको को आशा ही नही पूर्ण विश्वास है की देश के अभिभावक होने के नाते आप इस गम्भीर विषय पर उचित निर्णय लेकर देश सहित प्रदेश के करोडो अभिभावको को राहत देगे ।

किशन बाठला की अंतिम यात्रा में उमड़ा जन सैलाब

हापुड़। रविवार को वरिष्ठ कांग्रेस नेता व नगरपालिका के पूर्व डिप्टी चेयरमैन किशन बाठला जी की अंतिम यात्रा में कांग्रेसी नेताओ व कार्यकर्ताओं का जमावड़ा स्वर्ग आश्रम रोड स्थित चौराखी पर उनके अंतिम संस्कार में श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए एकत्रित हुआ। 70 वर्ष की आयु वाले किशन बाठला जी का शनिवार को हृदय घात के कारण आकस्मिक निधन हो गया था। किशन बाठला जी के निधन की अचानक खबर सुनकर शहर के लोगों व कांग्रेसियों में शोक की लहर दौड़ गई। उनके अंतिम दर्शन करने के लिए कांग्रेस जन रविवार को स्वर्ग आश्रम रोड स्थित चौराखी पहुंचे और उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। किशन बाठला जी के पार्थिव शरीर को कांग्रेसी ध्वजा में उनकी अंतिम यात्रा निकाली गई। कांग्रेस

सेवादल के कार्यकर्ताओं ने बाठला के अंतिम संस्कार के वक्त उन्हें सलामी आम देकर श्रद्धांजलि अर्पित की शहर अध्यक्ष अभिषेक गोयल ने कहा कि किशन बाठला जी बेहद ही कर्मठ,जुझारू और जमीनी स्तर के नेता थे,हापुड़ कोंग्रेस में वे हमेशा हमारे मार्गदर्शक रहे हैं। किशन बाठला जी की अन्तिम यात्रा में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव बदरुद्दीन कुरैशी, उत्तर प्रदेश कांग्रेस सेवादल के प्रदेश सचिव अंकित शर्मा,अनुसूचित जाति विभाग कोंग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष नरेश कुमार भाटी,विधि विभाग कोंग्रेस के प्रदेश महासचिव सेंसर पाल सिंह,विधि विभाग कोंग्रेस कमेटी के जिला चेयरमैन रघुवीर सिंह एडवोकेट,जिला सचिव यशपाल सिंह ढीलौर,शहर कोषाध्यक्ष विक्की शर्मा,शहर उपाध्यक्ष धर्मेंद्र कश्यप,शहर उपाध्यक्ष अमित सैनी,शहर सचिव गौरव गर्ग,प्रदीप कश्यप, सुमित कुमार,विवेक शर्मा, इंद्रराज बांगा, रतनलाल पार्चा,एहतेशाम कुरैशी, राजमोहन सिंह रौतेला,सुखपाल गौतम, निसार खान, फरदीन, इलियास,महेश शर्मा आदि लोग उपस्थित रहे।

जानलेवा हमले के आरोप से दो भाइयों सहित तीन बरी

मुजफ्फरनगर, एजेंसी। मुजफ्फरनगर जिले में आठ वर्ष पूर्व जानलेवा हमले के मामले में दर्ज किये गए मुकदमे की सुनवाई कर कोर्ट ने दो सगे भाइयों सहित तीन को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया।

आठ अप्रैल 2012 को रहमत नगर निवासी शहमशेर ने शहर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया था कि उसका लड़का जहीर उर्फ काला रहमतनगर निवासी शेर अली के घर वेतन के 10 हजार रुपये लेने गया था। आरोप है कि रुपये देने इंकार कर दिया। जिसके बाद शेर अली, शमशाद पुत्रगण शमी कुरैशी तथा गुलजार पुत्र इस्लाम निवासीगण रहमत नगर ने उनके घर पर पर लाठी डंडो व धारदार हथियारों से जानलेवा हमला कर दिया था। आरोप है कि उक्त लोगों ने जहीर पर उर्फ काला पर जान से मारने की नीयत से दो फायर किये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। घटना के मुकदमे की सुनवाई अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश अंकुर शर्मा की कोर्ट संख्या -17 में हुई। सुनवाई उपरांत न्यायाधीश ने साक्ष्य के अभाव में तीनों आरोपितों को बरी कर दिया।

कॉलेज जाती कंकर खेड़ा निवासी लड़की लापता एसएसपी से मिलने पहुचे परिजन

मेरठ। मेरठ के एसएसपी कार्यालय पर एसएसपी को अपनी आपबीती सुनाने एक महिला पहुंची ।जहाँ उसने अपनी आपबीती बताते हुए कहा कि मेरी 19 साल की बेटी का अपहरण हो गया है जिसकी उसने थाने में रिपोर्ट भी दर्ज कराई लेकिन अभी तक थाने पुलिस के द्वारा कुछ पता नहीं चल पाया। आप को बता दे थाना कंकरखेड़ा क्षेत्र की रहने वाली पीड़ित महिला की 19 साल की बेटी 26 तारीख से गायब है जिसकी उसने थाना कंकरखेड़ा में रिपोर्ट भी दर्ज कराई थी लेकिन अभी तक उसकी बेटी का कुछ पता नहीं चला जहां उसने बताया कि मेरी बेटी शारदा रोड स्थित कनोहर लाल कॉलेज में पढ़ती थी ।रास्ते से ही उसका अपहरण कर लिया गया ।महिला ने कुछ लोगो पर आरोप लगाते हुए कहा ह की मेरी बेटी का अपहरण कर के उसे पंजाब ले जाया गया है। जिसकी जानकारी उसने पुलिस को भी दी ।थाना पुलिस की करवाई से निराश होकर पीड़ित महिला एसएसपी कार्यालय आयी और अपनी बेटी को जल्दी ढूंढने की बात कही ।एसएसपी अजय साहनी ने महिला को आश्वासन दिया है और उसकी बेटी जल्दी वापस लाने की बात कही है।

मिलावटी दूध से बिगड़ रही बाशिंदों की सेहत, 85 प्रतिश नमूने फेल

सहारनपुर, एजेंसी। दूध को संपूर्ण आहार माना गया है। दूध में वह सभी तत्व मौजूद हैं, जिसकी इंसान को जरुरत होती है। अब यही दूध ही मनुष्य के लिएहानिकारक साबित हो रहा है। खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा सेंपल के बाद जांच को भेजे गए दूध के 85 फीसदी नमूने फेल निकले हैं। रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है कि दूध व दूध से बने खाद्य पदार्थों में जमकर मिलावट की जा रही है। खतरनाक यह है कि दूध में ऐसे केमिकल की मिलावट की जा रही है, जिससे इंसान की जान भी जा सकती है। रसगुल्ला, मावा, मसाला, नमकीन, तेल तथा बेकरी के खाद्य पदार्थ सहित अन्य खाद्य पदार्थों में भी जमकर मिलावटखोरी सामने आई है। खाद्य सुरक्षा व औषधि प्रशासन

विभाग द्वारा 1 अप्रैल 2019 से 30 मार्च 2020 तक चेकिंग अभियान चलाकर दूध सहित विभिन्न खाद्य पदार्थों के 396 नमूने जांच के लिए भरे गए थे, जो प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजे गए। बीते दिनों आई रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा हुआ। सभी सैंपल की की रिपोर्ट आ गई है। रिपोर्ट में 85 फीसदी नमूने जांच रिपोर्ट में अधोमानक निकले। इस रिपोर्ट में रसगुल्ला, मावा, मसाला, नमकीन, तेल तथा बेकरी के खाद्य पदार्थ सहित अन्य खाद्य पदार्थों शामिल हैं। रिपोर्ट में चौकाने वाला खुलासा यह भी हुआ कि दूध में डिटरजेंट पाउडर, सूखा पाउडर व फैट कम कर दूध को बेचे जाना भी उजागर हुआ है। दूध में पाए जाने वाले कैल्शियम, प्रोटीन, आयोडीन, पोटेशियम, फास्फोरस, विटामिन बी-2 व विटामिन बी-12 ही नहीं था। जिसे बच्चों को पिलाने पर सीधा जान खतरे में बन सकती है।